4 | दैनिक जागरण लखनऊ, 27 दिसंबर 2015

उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू

जागरण संवाददाता, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की वर्ष 2015-16 की इंजीनियरिंग परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय की ओर से मूल्यांकन से संबंधित निर्देश जारी हो गए हैं। मूल्यांकन केंद्र पर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से पहले प्रश्न पत्रों के सोल्यूशन और संशोधन व अन्य दिशा निर्देश पर तैयारी की जाए। मूल्यांकन केंद्र पर तैनात संबंधित परीक्षक के पास कम से कम तीन साल का अनुभव होना जरूरी है। प्रधान परीक्षक प्रतिदिन परीक्षक को अधिकतम अस्सी उत्तर पुस्तिकाएं ही मूल्यांकन के लिए उपलब्ध कराएंगे। कम से

- एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने दिए दिशा निर्देश

कम 10 प्रतिशत उत्तर पुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन किया जाएगा।

वार्षिकोत्सव मनाया

गोमतीनगर स्थित क्रेयोंस प्ले स्कूल ने शनिवार को धूमधाम से वार्षिकोत्सव मनाया। भारतेंदु नाट्य अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने गायन व नृत्य की सुंदर प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के अंत में फैशन शो आयोजित हुआ। एन सिद्दीकी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हिन्दुस्तान 03
लखनऊ • रविवार • 27 दिसंबर 2015

आंसरशीट की रैण्डम सैम्पलिंग से दोबारा होगी जांच

एकेटीयू

- लखनऊ। युवा रिपोर्टर

अब, एक दिन में डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की सेमेस्टर परीक्षाओं की सिर्फ 80 उत्तरपुस्तिकाओं का ही मूल्यांकन होगा। मूल्यांकन की गुणवत्ता को सुधारने के लिए कुलपति प्रो. विनय पाठक ने शनिवार को ये निर्देश जारी किए। साफ किया है कि प्रत्येक परीक्षक को प्रतिदिन अधिकतम 80 उत्तरपुस्तिकाएं ही मूल्यांकन के लिए दी जाएंगी। पूरे मूल्यांकन अवधि में प्रथम वर्ष की अधिकतम एक हजार मात्र और अन्य वर्षों की 640 कॉपी ही एक परीक्षक से जांच कराई जाएगी। इसके इतर आवश्यकता पड़ने पर विश्वविद्यालय की अनुमति अनिवार्य होगी।

जांचने से पहले पूर्व प्रश्नपत्रों के सोल्यूशन्स एवं संशोधन को लेकर विश्वविद्यालय से अनुमति लेनी होगी। ये सुनिश्चित किया जाएगा कि परीक्षक के पास कम से कम तीन वर्ष का विषयगत अनुभव अवश्य हो। यदि कोई शिक्षक परास्तानक/पीएचडी हो तो उसके एक वर्ष के शैक्षणिक अनुभव को परीक्षक के कार्य हेतु अनुभव सीमा के बराबर माना जाए।

पूर्व अनुमति के बिना किसी अन्य को परीक्षक नामित न किया जाए। विशेष परिस्थितियों में परीक्षक नियुक्त करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखा जाय कि परीक्षक ने सम्बन्धित विषय का अध्यापन कार्य अवश्य किया हो एवं इसका अनुमोदन विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त कर लिया जाए। प्रधान परीक्षक कम से कम 10 प्रतिशत

- मूल्यांकन में सुधार के लिए कुलपति ने जारी किए निर्देश
- परीक्षक रोज सिर्फ 80 कॉफी ही जांचेगा

मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं का पुनः मूल्यांकन करेगा। वह 40 (चालीस मात्र) उत्तरपुस्तिकाओं के प्रत्येक पैकेट में कम से कम एक अधिकतम प्राप्तांक वाली तथा एक न्यूनतम प्राप्तांक वाली उत्तरपुस्तिका का पुनः मूल्यांकन अनिवार्य रूप से किया जाए।

प्रो. पाठक ने बताया कि मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं का विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षकों और विषय विशेषज्ञों द्वारा रैण्डम् सैम्पलिंग से माध्यम से कुछ उत्तरपुस्किाओं को विश्वविद्यालय स्तर पर पुनः मूल्यांकित कराया जाएगा। इसमें विश्वविद्यालय के परीक्षा संबंधित नियमो के अन्तर्गत यदि कोई अनियमियतता पाई गई तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।